महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

हिंदी विश्वविद्यालय में जिले के सरपंचों के साथ वार्ता
नवाचार क्लब एवं नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन का आयोजन

वर्धा दि. 2 फरवरी 2015: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में नवाचार क्लब एवं नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन के तत्वावधान में वर्धा एवं आसपास के ग्रामपंचायतों के सरपंचों की बैठक का आयोजन सोमवार को विश्वविद्यालय के नागार्जुन सराय अतिथि गृह में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। कार्यक्रम में महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी शांति अध्ययन केंद्र के निदेशक वरिष्ठ प्रोफेसर प्रो. मनोज कुमार, अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉ. नृपेंद्र प्रसाद मोदी, ग्रामोपयोगी विज्ञान केंद्र, दत्तपुर के कार्यकारी संचालक डॉ. सोहम पंडया, स्कूल ऑफ स्कॉलर्स की प्राचार्य समिता कार, भाषा विद्यापीठ के सहायक प्रोफेसर रवि कुमार, जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे, पवनार के सरपंच राजेश्वर गांडोळे, आंजी के जगदिश संचरिया, वायगांव के सरपंच गणेश वांदाडे, प्रमोद झाडे, करंजी काजी के सरपंच पद्माकर शंभरकर, इंझापुर के जल आपूर्ति समिति के अध्यक्ष दीपक तपासे, बोरगांव मेघे पंकज यादव, पेठ के उपसरपंच जगदीश मस्के, बोरगांव सावली के उपसरपंच महेश मोरे, दहेगांव स्टेशन की सरपंच अर्चना कंगाले, उपसरपंच ए. व्ही. कंगाले, सालोड की सरपंच गीता झाडे, चिकणी जामनि के मारोती कांबले, सिंदी मेघे की सरपंच सुषमा येसनकर, ग्राम विकास अधिकारी सुधाकर आसुटकर, पवनुर के सरपंच रमेश कारनकर, अर्चना वानखेडे, अंजली चौधरी, जयश्री चौधरी, रामनगर की मंदा वानखेडे, संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र शोधार्थी अनुपमा कुमारी आदि प्रमुखता से उपस्थित थे।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि विश्वविद्यालय की अनेक योजनाएं है जो गावों के विकास के लिए कारगर दिशा प्रदान कर सकती हैं। हम चाहते है कि वर्धा के आसपास के समाज हमसे जुड़ा रहे और हम भी उनके विकास के लिए प्रतिबद्ध हो सके।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में व्यापक तौर पर हम लोगों को जोड़ने का अभियान जारी रखेंगे। कार्यक्रम के दौरान सरपंचों तथा समुदाय के प्रतिनिधियों ने अपनी समस्याएं उपस्थितों के सामने रखी। ग्रामपयोगी विज्ञान केंद्र के डॉ. सोहम पंडया ने गावों में कम लागत पर सौचालय, रस्ते आदि बनाने के लिए केंद्र की विभिन्न योजनाओं का जिक्र किया। प्रो. मनोज कुमार ने समाज कार्य विभाग की ओर से गावों को गोद लेकर वहां के विकास के लिए अपनी योजनाएं बताई। कार्यक्रम का संचालन रवि कुमार ने किया।